न्यूज डायरी

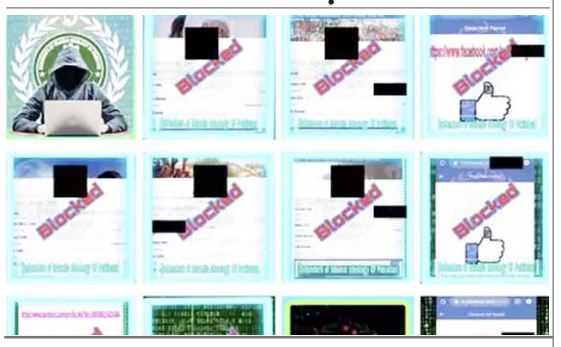

फेसबुक ने पाकिस्तान का फर्जी नेटवर्क सस्पेंड किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। फेसबुक ने 31 अगस्त को 103 पेज, 78 ग्रुप्स, 453 अकाउंट्स और 107 इंस्टाग्राम अकाउंट्स को सस्पेंड कर दिया। संगठित तरीके से अवैध काम करने के लिए यह कार्रवाई की गई। फेसबुक ने अपनी रिपोर्ट में इस नेटवर्क के पीछे पाकिस्तानी लोगों का हाथ बताया। फेसबुक ने इस नेटवर्क का हिस्सा स्टैनफर्ड इंटरनेट ऑब्जर्वेटरी के साथ शेयर किया। एसआईओ का कहना है कि जांच में पता चला कि ये नेटवर्क बड़े स्तर पर ऐसे अकाउंट्स को रिपोर्ट करने के काम करता था जो इस्लाम या पाकिस्तानी सरकार के आलोचक होते हैं। इन अकाउंट्स के टार्गेट पर भारत की सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी रहते थे। एसआईओ ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि नेटवर्क का टार्गेट भारत और पाकिस्तान ही लगते हैं। इन पर पोस्ट उर्दू, हिंदी, अंग्रेजी और पंजाबी में होते हैं।

पैंगोंग झील घटना में तिब्बती जवानों की भूमिका से हैरान चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। भारत की पैंगोंग शो झील इलाके में चीन को माकूल जवाब मिलने के बाद ड्रैगन बौखलाया हुआ। अब वह न केवल वास्तविक नियंत्रण रेखा चीन ने कहा कि वह ऐसे किसी देश का विरोध करता है जो तिब्बत की आजादी का समर्थन करता है। दिलचस्प बात यह रही कि उनसे जब भारतीय सेना में शामिल तिब्बती जवानों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में नहीं पता। उन्होंने कहा कि तिब्बत का मुद्दा अहम है और उसमें अमेरिका की भूमिका को भी देखना होगा। उन्होंने कहा– चीन का रुख इस पर साफ है। हम भारत समेत ऐसे किसी भी देश का विरोध करते हैं जो तिब्बत की आजादी के लिए कोई मदद या जगह देगा। उन्होंने कहा, जहां तक निर्वासित किए गए तिब्बती लोगों और भारत की सेना का ताल्लुक है, इसे लेकर मैं भी हैरान हूं।

ऑस्ट्रेलिया में करीब 30 साल बाद आई मंदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में करीब 30 साल के बाद आधिकारिक तौर पर पहली बार मंदी दर्ज की गई है। यहां जून तिमाही में पिछली तिमाही से जीडीपी में 7 प्रतिशत की गिरावट आई है। बुधवार को सामने आए आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई सांख्यिकी ब्यूरो (एबीएस) के नए आंकड़ों के मुताबिक जून तिमाही की जीडीपी, इस साल की मार्च तिमाही से 0.3 प्रतिशत कम रही है। यह रेकॉर्ड गिरावट निजी क्षेत्र के कारण आई थी, जो कि कोविड –19 महामारी को रोकने के प्रयासों के तहत या तो बंद थे या प्रतिबंधित थे। एबीएस में नैशनल अकाउंट्स के प्रमुख माइकल स्मीड्स ने इस गिरावट के लिए 'वैश्विक महामारी और इससे जुड़ी रोकथाम नीतियों' को जिम्मेदार ठहराया। यह एक बड़ा मार्जिन है। यह 1959 के बाद से तिमाही जीडीपी में सबसे बड़ी गिरावट है। एबीएस की रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि अतिरिक्त समर्थन भुगतानों के कारण, नकद राशि में दिया जाने वाला सामाजिक सहायता लाभ बढ़कर 41.6 प्रतिशत हो गया।

वैज्ञानिकों को सोलर सिस्टम के आखिर में मिला कुछ खास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। हमारे सोलर सिस्टम के बारे में एक नई थिअरी सामने आई है। ऐस्ट्रोनॉमर्स का कहना है कि हमारे सूरज का एक जुड़वा भी रहा था। नेपच्यून के पीछे के हिस्से में क्या है इसे लेकर काफी वक्त से पहेली बरकरार है। हमारे सोलर सिस्टम के बाहरी हिस्से में Oort Cloud का इलाका है जहां बर्फीला मलबा मौजूद है। ऐस्ट्रोनॉमर्स का मानना है कि ऐसा हो सकता है कि हमारे सूरज की तरह ही किसी सितारे ने अपनी ग्रैविटी से अरबों टुकड़ों से बने इस मलबे को वहां रोक रखा है। Oort Cloud में अरबों ऐसे बर्फीले और चट्टानी टुकड़े हैं। हारवर्ड यूनिवर्सिटी के ऐस्ट्रोफिजिसिस्ट ऐवी लोएब और आमिर सिराज ने लाइव साइंस को बताया कि ऐसा हो सकता है कि हमारे सूरज की तरह किसी और सितारे ने वहां से निकलते हुए मलबे को इकट्ठा कर लिया हो।

परमाणु हथियार दोगुने करने की तैयारी में चीन

कई देशों में बना रहा सैन्य ठिकानेः पेंटागन

हरकत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। चीन ने अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को दोगुना करने का काम शुरू कर दिया है। यही नहीं, वह दूसरे देशों में अपने सैन्य ठिकाने भी बढ़ा रहा है जहां से अमेरिका को निशाना बनाया जा सके। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने चीनी सेना की सालाना रिपोर्ट में इस बात की आशंका जताई है कि चीन वैश्विक सुपर पावर बनने के लिए ऐसा कर रहा है है। पेंटागन की यह रिपोर्ट ऐसे वक्त में आई है जब पूर्वी लद्दाख के पेंगोंग इलाके में झड़प के साथ भारत से उसका सैन्य तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिका भी भारत की सीमा पर चीनी हरकतों को बारीकी से परख रहा है।

भारत के पड़ोसी देशों पर नजरः बहरहाल, पेंटागन ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट चीन की सैन्य एवं सुरक्षा गतिविधियां में कहा है कि भारत के तीन पड़ोसी देशों समेत करीब एक दर्जन देशों में चीन मजबूत ठिकाना

स्थापित करने का प्रयास कर रहा है ताकि वह लंबी दूरी से भी अपना सैन्य दबदबा बनाए रख सके। यह रिपोर्ट मंगलवार को अमेरिकी कांग्रेस को सौंप दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के तीन पड़ोसी देशों – पाकिस्तान, श्रीलंका और म्यामांर के अलावा चीन, थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात, केन्या, सेशल्स, तंजानिया, अंगोला और तजाकिस्तान में अपने ठिकाने बनाने पर विचार कर रहा है।

अमेरिका के खिलाफ कार्रवाई में कर सकता है समर्थनः पेंटागन ने कहा कि ये संभावित चीनी ठिकाने जिबूती में चीनी सैन्य अड्डे के अलावा हैं, जिनका उद्देश्य नौसेना, वायु सेना और जमीनी बल की कार्यों को और मजबूती प्रदान करना है। पेंटागन ने रिपोर्ट में कहा, दुनियाभर में पीएलए (पीपल्स लिबरेशन आर्मी) के सैन्य अड्डों का नेटवर्क अमेरिकी मिलिट्री ऑपरेशनों में हस्तक्षेप कर सकता है और चीन के वैश्विक सैन्य उद्देश्यों के तहत अमेरिका के खिलाफ आक्रामक ऑपरेशनों का समर्थन कर सकता है। उसने कहा कि चीन ने पहले ही नामीबिया, वनुआटू और सोलोमन द्वीपों पर पहले से ही अपना कब्जा जमा लिया है। पेंटागन ने कहा कि बीजिंग अपने विकास के लिए वैश्विक परिवहन और व्यापार संबंधों का विस्तार करने और अपनी परिधि तथा उसके बाहर देशों के साथ अपने आर्थिक एकीकरण को गहरा करने की राष्ट्रीय कायाकल्प की अपनी रणनीति को सफल बनाने के लिए वन बेल्ट वन रोड का सहारा लेता है।

10 साल में कर लेगा दोगुनाः पीपल्स लिबरेशन आर्मी के पास अभी करीब 200 हथियार हैं लेकिन आने वाले समय में जमीन, पनडुब्बियों और हवाई बॉम्बर से दागी जाने वाली मिसाइलों के जखीरे में वह इजाफा कर रहा है। अभी उसके पास परमाणु वाहक एयर–लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल नहीं है जिसका विकास चीन कर रहा है।

अपने कमांडर के पीछे हटने से बौखलाया ड्रैगन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। भारत और चीन के बीच पिछले कई महीने से जारी तनाव फिर से चरम पर पहुंच गया है और भारत ने पैंगोंग शो झील के दक्षिणी इलाके में चीन को उसी की भाषा में जवाब देते हुए ऊंचाई वाले इलाके में अपनी पैठ मजबूत कर ली है।

इससे पहले जून में गलवान घाटी में भारत की कड़ी कार्रवाई के बाद ड्रैगन सेना घबरा गई थी और बिना पेइचिंग की सहमति के स्थानीय चीनी कमांडर ने तनाव वाले इलाके से पीछे हटने का फैसला कर लिया था। हालांकि अपने कमांडर के फैसले ड्रैगन काफी बौखलाया हुआ है।

इस बीच, भारत और चीन के बीच ताजा तनाव पर अमेरिका का भी मानना है कि चीन ने जानबूझकर भारत को उकसाया और विवादित क्षेत्र में दाखिल हुआ अमेरिका की खुफिया एजेंसियों के मुताबिक चीन अब इस बात से बौखलाया हुआ है कि उसके स्थानीय कमांडर ने भारत के साथ झड़प होने पर पीछे हटने का फैसला किया।

अमेरिका की खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि अमेरिका का मानना है कि भारतीय सेना ने जमीन पर कोई नुकसान नहीं होने दिया। अमेरिका का मानना है कि भारतीय सेना चीन के उकसावे के लिए तैयार थी।

लेबनान में नए प्रधानमंत्री के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेरूत। लेबनान में नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति के खिलाफ राजधानी बेरुत में हुए एक विरोध प्रदर्शन में कम से कम 21 लोग घायल हो गए। रेड क्रॉस ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, मंगलवार को राजधानी में हजारों प्रदर्शनकारियों ने जर्मनी में राजदूत रह चुके मुस्तफा अदीब की नियुक्ति पर नाराजगी जाहिर करने के लिए प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, अदीब वर्तमान शासक वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनके खिलाफ 17 अक्टूबर, 2019 से पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच भारी संघर्ष के साथ प्रदर्शन हिंसक हो गया।

आतंकी हमलाः शुरू सुनवाई फिर ताजा होगा खौफ का मंजर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तीन दिन तक चला था हमला

पेरिस। फ्रांस की मैगजीन शार्ली हेब्दो पर 2015 में हुए घातक हमले का ट्रायल बुधवार से पेरिस के कोर्ट में शुरू हुई। पांच साल की जांच के बाद कोरोना वायरस महामारी के कारण देर से हो रही सुनवाई में 14 संदिग्धों की पेशी हो गई जिसकी वीडियोग्राफी की जाएगी और गवाहों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। इस घटना में पुलिस अधिकारियों और सुपरमार्केट पर तीन दिन तक हमला चला था जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें फ्रांस के लीडिंग कार्टूनिस्ट भी शामिल थे। आज पहली बार इस भयावह हमले के आरोपी और पीड़ित परिवार आमने–सामने होंगे। पैगंबर मोहम्मद के जिस कार्टून को लेकर यह हमला हुआ था, हेब्दो ने वही बुधवार को फिर से छापने का फैसला भी किया।

दुनियाभर में इस घटना से सदमा फ्रांस के इतिहास में यह दुर्लभ मौका होगा जब सुनवाई की फिल्मिंग की जाएगी। इसके पीछे न्यायिक अहमियत और भावनात्मक तूफान एक कारण है। इस हमले को राष्ट्रीय और इतिहास में एक बड़ी आतंकी घटना करार दिया गया है। 11 जनवरी को ही करीब 20 लाख लोग पेरिस में एक मार्च के लिए मिले थे। शार्ली हेब्दो पहले भी अपने धार्मिक और राजनीतिक स्टैंड के लिए विवादों के घेरे में रहा है। 2011 में भी पैगंबर मोहम्मद के साथ टाइटल श्शरियाश हेब्दो लिखा गया था और तब भी इसके दफ्तर पर हमला किया गया था।

गिरेंगे नहीं, हार नहीं मानेंगेः मैगजीन के डायरेक्टर लॉरेंट सूरीसू ने कार्टून के साथ छपने वाले संपादकीय में कहा है, हम कभी गिरेंगे नहीं, हम कभी हार नहीं मानेंगे। अगले कुछ महीने में इन आरोपियों की पेशी कड़ी सुरक्षा में उत्तरपूर्व पेरिस के कोर्टहाउस में होगी। संदिग्धों पर ट्रायल आतंकी हमले में मदद के लिए किया जाएगा। इसमें हथियारों की सप्लाई और तीन जिहादियों को वित्तीय मदद देना शामिल है।

निकी हेली ने कहा, चीन ने छला तो अमेरिका को हुई दोस्तों की पहचान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। पूर्व भारतीय–अमेरिकी राजनयिक निकी हेली ने कहा कि चीन दशकों तक आगे बढ़ने के लिए अमेरिका और उसके नेताओं की भलमनसाहत का फायदा उठाता रहा। हिंद–प्रशांत क्षेत्र के लिए मजबूत रणनीति बनाने के बाद ट्रंप प्रशासन अब यह जान पाया कि अमेरिका का सच्चा मित्र कौन है। वह यूएस–इंडिया स्ट्रेटजिक एंड पार्टनरशिप फोरम द्वारा आयोजित तीसरे नेतृत्व शिखर सम्मेलन को ऑनलाइन संबोधित कर रही थीं। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत हेली ने कहा कि अमेरिकी इस बात को बखूबी जानते हैं कि भारतीयों से उनको कोई खतरा नहीं है और यह समय सफलताओं को साझा करने का है। अमेरिका रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद–प्रशांत क्षेत्र में भारत को अग्रणी भूमिका निभाने के लिए आगे बढ़ाने में जुटा है। कई देश इसे इस क्षेत्र में चीन की बढ़ती ताकत को रोकने की कोशिश के तौर पर देख रहे हैं। हेली ने कहा, आइए जानें कि चीन ने यह कैसे किया। चीन ने बड़ी चालाकी से रणनीति बनाई। अमेरिका समझ नहीं पाया।